

Padma Bhushan



PROF. DEEPAK DHAR

Prof. Deepak Dhar is a theoretical physicist, working in the general area of Statistical Physics. His present position is Distinguished Emeritus Professor at Indian Institute of Science Education and Research at Pune.

2. Born on 30th October, 1951, Prof. Dhar obtained his B.Sc. Degree from the University of Allahabad in 1970 and the M.Sc. (Physics) degree from Indian Institute of Technology, Kanpur, in 1972. He obtained his Ph.D. degree from the California Institute of Technology, Pasadena (USA) in 1978. After this, he joined the Department of Theoretical Physics at the Tata Institute of Fundamental Research, Mumbai and was a member of the Department till his retirement in 2016.

3. Prof. Dhar's notable contributions are the exact solution of the abelian sand pile model of self-organized criticality, and the exact solution of the enumeration problem of directed site animals in lattice statistics, slow relaxation in disordered materials, and exact renormalization studies on fractals. He has also written articles for popularizing Science in school children and organized several training schools for college teachers. Working with a large number of students and collaborators, he has contributed to building a vibrant community of researchers in Statistical Physics in India.

4. Prof. Dhar is a fellow of the Indian National Science Academy, the National Academy of Sciences of India, Indian Academy of Sciences, and the Third World Academy of Sciences, Trieste. He is also an honorary member of Physical Society of Uzbekistan. He was awarded the prestigious J. C. Bose Fellowship by the Science and Engineering Research Board of the Government of India for the period 2007-2017.

5. Prof. Dhar is the recipient of several awards, such as the I.N.S.A. Young Scientist Award (1983), S. S. Bhatnagar Award in Physics (1991), J.R. Schrieffer Prize in Condense Matter Physics (1993), S. N. Bose medal of I.N.S.A. (2001), Third World Academy of Science prize in Physics (2002), Boltzmann Medal (2022), Distinguished Alumnus Award of I.I.T.K.(2022), R. D. Birla Memorial Award of the Indian Physics Association (2022)



प्रो. दीपक धर

प्रो. दीपक धर एक सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी हैं, जो सांख्यिकीय भौतिकी के क्षेत्र में कार्यरत हैं। वह वर्तमान में पुणे स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान में प्रतिष्ठित एमेरिटस प्रोफेसर हैं।

2. 30 अक्टूबर, 1951 को जन्मे, प्रो. धर ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 1970 में विज्ञान स्नातक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से 1972 में विज्ञान स्नातकोत्तर (भौतिकी) की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने 1978 में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पासाडेना (यूएसए) से पीएच.डी. की। इसके बाद, उन्होंने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई में सैद्धांतिक भौतिकी विभाग में कार्य किया और 2016 में अपनी सेवानिवृत्ति तक विभाग के सदस्य रहे।

3. प्रो. धर के उल्लेखनीय योगदानों में से कुछ इस प्रकार हैं, एबेलियन सैंड पाइल मॉडल ऑफ सेल्फ-ओर्गेनाइज्ड क्रिटिकेलिटी का सटीक समाधान, और एनुमरेशन प्रोब्लेम ऑफ डाइरेक्टेड साइट एनिमल्स इन लैटिस स्टेटिस्टिक्स का सटीक समाधान, स्लो रिलेक्सेशन इन दिसोर्डर्ड मटेरियल्स, और फ्रैक्टल्स पर सटीक पुनर्सामान्यीकरण अध्ययन। उन्होंने स्कूली बच्चों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए लेख भी लिखे हैं और कॉलेज के शिक्षकों के लिए कई प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया है। बड़ी संख्या में छात्रों और सहयोगियों के साथ काम करते हुए, उन्होंने भारत में सांख्यिकीय भौतिकी के क्षेत्र में शोधकर्ताओं का एक सक्रिय समूह तैयार करने में अपना योगदान दिया है।

4. प्रो. धर भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नेशनल एकेडेमी ऑफ साइंसेज ऑफ इंडिया, भारतीय विज्ञान अकादमी और थर्ड वर्ल्ड एकेडेमी ऑफ साइंसेज, ट्राएस्टे के फेलो हैं। वह उज्बेकिस्तान की फिजिकल सोसाइटी के मानद फेलो भी हैं। उन्हें भारत सरकार के विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड द्वारा 2007–2017 की अवधि के लिए प्रतिष्ठित जे.सी. बोस फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

5. प्रो. धर को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जैसे आई.एन.एस.ए. युवा विज्ञानी पुरस्कार (1983), भौतिकी के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (1991), जे.आर. श्राइफर प्राइज इन कंडेन्सड मैटर फिजिक्स (1993), आई.एन.एस.ए. का एस.एन. बोस मेडल (2001), थर्ड वर्ल्ड एकेडेमी ऑफ साइंसेज प्राइज इन फिजिक्स (2002), बोल्ट्जमैन मेडल (2022), आईआईटी कानपुर का विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार (2022), भारतीय भौतिकी संघ का आर. डी. बिड़ला स्मारक पुरस्कार (2022)।